## एक नजर में

### विधायक प्रताप ग्रेवाल ने संदला में गेहूं उपार्जन केन्द्र का किया औचक निरीक्षण

**सरदारपुर।** विधायक प्रताप ग्रेवाल ने संदला वेयर हाउस पर राजोद एवं संदला सहकारी संस्था के गैहु उपार्जन केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। विधायक ग्रेवाल ने औचक निरीक्षण के दौरान केन्द्र पर व्यवस्थाओ का जायजा लिया और किसानो से गैहु उपार्जन के संबंध मे विस्तृत चर्चा की। चर्चा के दौरान जानकारी मिली कि जिन किसानो को 7 मई को गैहु तुलाई का टोकन प्राप्त हुआ है उनके गैहॅु की भी तौल कांटे एवं हम्माल मे कमी होने की वजह से तुलाई नही हुई जिसके कारण किसानो को प्रतिदिन 1 हजार रूपये प्रति ट्रैक्टर भाडा लग रहा है, जिससे किसानो को आर्थिक नुकसान उठाना पड रहा है। किसानो की समस्या हल करने के लिए विधायक प्रताप ग्रेवाल द्वारा नायब तहसीलदार प्रशस्तिसिंह जमरा, सरदारपुर वैयर हाउस प्रभारी मुकेश मित्तल, गैहु उपार्जन केन्द्र प्रभारी दिलीप वैष्णव को तौल कांटो, हम्माल एवं बारदानो की संख्या बढाने के निर्देश दिए। किसानो द्वारा उपार्जन केन्द्र पर पानी एवं बैठक व्यवस्था सुचारू रूप से नही होने की समस्या भी विधायक प्रताप ग्रेवाल को बताई जिस पर विधायक ग्रेवाल ने संबंधित अधिकारियो को व्यवस्था मे सुधार करने के निर्देश दिए। किसान सूत्रोंके हवाले से खबर है कि कई उपार्जन केदो पर लापरवाही का आलमहै एवं गेहूं तुलाईके समय किसानों के भरेहुए गेहूं के कटे गायप हो रहे जिसके वीडियो किसानों ने बनाए है सभीकी मिली भगत के कारण कोई कार्रवाई नहींकी गई है जो बहुत चिंता जनक विषय हे जिस पर कोई भी मंथन नहींकिया जा रहाहै,

### रोगों की रोकथाम के लिए बाग में किया जागरूकता कार्यक्रम, दिलाई शपथ

**बाग।** राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बाग में डेंगू एवं मच्छर जनित रोगों की रोकथाम हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम विकास खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ.हरिसिंह मुवेल के नेतृत्व मे चिकित्सा अधिकारी एवं पैरामेडिकल, स्वास्थ्य कर्मचारियों एवं उपस्थित आमजन को डेंगू से बचाव हेतु शपथ दिलाई गई इस अवसर पर मलेरिया निरीक्षक सुमेरसिंह कनेल द्वारा आमजन को घर एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखने, पानी का जमाव नहीं होने देने, कूलर एवं जलपात्रों को नियमित रूप से साफ एवं सूखा कर फिर से पानी रखने, रुके हुए पानी में टीमोंफस का घोल या केरोसिन या मीठा तेल डाल कर डेंगू के लार्वा को नस्ट किया जा सकता है तथा मच्छरदानी का उपयोग करें, शाम को घरों के अंदर नीम की पती जला कर धुँवा करें, बुखार आने पर तुरंत खून की जाँच करावे,डेंगू के लक्षण मे मुख्य रूप से तेज बुखार, हाथ पैर एवं जो?ो मे दर्द शरीर पर लाल चकते उल्टी सर दर्द आदि शामिल है डेंगू पॉजिटिव आने पर डॉ की सलाह से पूर्ण उपचार लेवें, जब तक स्वस्थ्य नहीं हो तब तक मच्छरदानी का उपयोग करें,मच्छरों की उत्पत्ति को कैसे रोका जा सकता है बताया गया!समय पर उपचार एवं जागरूकता से डेंगू जैसी गंभीर बीमारी से बचाव संभव है। सभी नागरिकों से अपील की गई कि वे अपने परिवार एवं समाज को मच्छर जनित रोगों से सुरक्षित रखने में सहयोग करें। कार्यक्रम में जितेंद्र रावत बीपीएम, डॉ सुरेखा परिहार बीसीएम, सेक्टर सुपरवाइजर, प्रयोगशाला टेक्नीशियन आदि उपस्थित थे! शपथ का वाचन मलेरिया निरीक्षक सुमेरसिंह कनेल द्वारा किया गया!

### बोरखेड़ी नयापुरा में श्रीमद् भागवत कथा का भक्तिमय वातावरण में समापन

**शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा एवं यज्ञ में पूर्णाहुति भक्तोंने लिया बढ़-चढ़कर भाग धर्म की गंगा भई चारों ओर**

सरदारपुर ।बोरखेडी नयापुरा में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का भव्य एवं भक्तिमय वातावरण में समापन हुआ। कथा का वाचन कथावाचक संत श्री मोहित जी नागर, ताखला जिला आगर मालवा द्वारा किया गया। कथा के अंतिम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भगवान की भक्ति में भाव-विभोर होकर कथा श्रवण किया। समापन अवसर पर विधि-विधान से शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा की गई एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ में पूर्णाहुति दी गई। कथा स्थल पर धार्मिक उत्साह एवं भक्ति का अद्भुत माहौल देखने को मिला। समिति बोरखेडी नयापुरा द्वारा विशाल भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। कथा समापन के अवसर पर लगभग 5 से 7 हजार श्रद्धालु एवं भक्तजन उपस्थित रहे। वहीं श्रद्धालुओं के लिए सातों दिन चिल्ड वाटर की व्यवस्था कराने पर अर्जुन गामड़ सरपंच प्रतिनिधि गोलपुरा एवं अमरसिंह गोयल भाजपा नेता नयापुरा का व्यासपीठ द्वारा आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया गया। इस अवसर पर कहा गया कि – जल सेवा सबसे बड़ा धर्म है, प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य कर्म है। पूरे आयोजन को सफल बनाने में समिति बोरखेडी नयापुरा, नयापुरा सकल पंच, ग्रामीणजन एवं युवा साथियों का विशेष सहयोग रहा। कथा समापन पर संत श्री मोहित जी नागर ने धर्म, भक्ति एवं संस्कारों का महत्व बताते हुए सभी श्रद्धालुओं को सदैव धर्म मार्ग पर चलने का संदेश दिया। धर्मकी जय हो धर्मका नाशाहो



### कालेशाह बाबा उर्स का आखरी दिन आज, रविवार को रंग महफिल के साथ समापन

**सरदारपुर।** नगर में भाईचारे कौमी एकता के प्रतीक हज़रत कालेशाह बाबा रहमतुल्लाह अल्हेह का उर्स जारी है। शुक्रवार रात को अफरोज साबरी कव्वाल पार्टी मनावर द्वारा कलाम पेश करते हुए सारे दुख दर्द की दवाएं हैं मोहम्मद के शहर में क्यों रोता है तु मोहम्मद के शहर में, ए मेरे मोहम्मद हम सब उम्मीद लगाए बैठे हैं हुजूर बनाए करम रखना पेश करने पर अकीदतमंद झुमते हुए कव्वालों का जमकर नोट बरसाते नजराना पेश किया, कलाम पर तालियां भी बटोरी गई। कार्यक्रम के शुरुआत पहले अतिथि अखंड महाराज उज्जैन, ज़ावेद बाबा वारसी इंदौर, डॉ एमएल जैन, डॉ सचिन द्विवेदी, का उर्स कमेटी के सदर सलमान रफीक खांन, नायब सदर बृजेश ग्रेवाल, कार्यक्रम के संचालन कर्ता हांजी अब्दुल रशीद खांन बलराम यादव, अंसार खांन, वाकिब खांन,सरवर खांन आदि कमेटी सदस्यों द्वारा इस्तकबाल किया। बाद में अतिथियों ने कव्वाली का लुत्फ लिया गया। रात 12 से 2 बजे तक आजिम नाजा कव्वाल पार्टी मुम्बई द्वारा एक से बढ़कर एक कलाम पेंशकर समां बांधे रखा गया। उर्स के दौरान सरदारपुर क्षेत्र सहित धार जिले से भारी संख्या में सूफी संत जायरीनों शामिल होकर बाबा के दर्शन लाभ और मन्नतधारी अपने मन्नतें उतारकर आयोजन का लाभ लें रहें हैं।

# शहनाई की मधुर धुनों से पद्मश्री फड़के संगीत समारोह का आगाज

**धार। तीन दिवसीय पद्मश्री फडके संगीत समारोह, जिसका आयोजन भोज शोध संस्थान द्वारा अत्यंत उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया, उसका शुभारंभ बड़े ही गरिमामय ढंग से शहनाई वादन से हुआ।**

स्थानीय कलाकार मयूर गोयल के प्रभावशाली एकल तबला वादन के पश्चात पुणे से विशेष आमंत्रित विश्वविख्यात शहनाई एवं सुंदरी वादक डॉ. पंडित प्रमोद गायकवाड तथा उनकी सुपुत्री सुश्री नम्रता गायकवाड ने अपने भावपूर्ण एवं सुरमयी शहनाई वादन से पूरे सभागृह में अद्भुत संगीतात्मक वातावरण निर्मित कर दिया। भोजशाला के फैसले के बाद होली व दीवाली के साथ धार नगर वासियों को मंगल वाद्य शहनाई के सुरों ने सरोबारित कर दिया। इंटेक के चेयरमैन श्री अशोक सिंह ठाकुर, संगीतज्ञ लक्ष्मीकांत जोशी, भोज शोध संस्थान के निदेशक डॉ दीपेंद्र शर्मा ने डॉ. पं. प्रमोद गायकवाड को भोज कला सम्मान पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया।

पिता-पुत्री की इस युगल प्रस्तुति का प्रारंभ राग कलावती में सुप्रसिद्ध बंदिश तन-मन-धन तोपे वारूँ से हुआ, जो मध्यलय एकताल में निबद्ध थी। इसके पश्चात मध्य एवं अतिद्रुत तीनताल में स्वरचित गतों की मनोहारी प्रस्तुति दी गई। पंडित भीमसेन जोशी द्वारा लोकप्रिय भक्ति रचना माझे माहेर पंढरी ने श्रोताओं को भक्तिरस में भावविभोर कर दिया।

वहीं बनारसी दादरा डगर बीच कैसे चलूँ, मगर रोके कन्हैया की प्रस्तुति ने कार्यक्रम में विशेष रंग भर दिया। समापन राग भैरवी पर आधारित भक्तिगीत जो भजे हरि को सदा से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक भाव से सराबोर कर दिया।तबले पर शिवम मालवीय ने अत्यंत प्रभावशाली एवं संवेदनशील संगति प्रदान की। पूरे शहनाई वादन में गायकी अंग की सुंदर झलक दिखाई दी, जिसमें मींड, गमक, आलाप एवं तानों का अत्यंत प्रभावपूर्ण प्रयोग सुनने को मिला। श्रोतागण इस उत्कृष्ट प्रस्तुति से अत्यंत आनंदित एवं अभिभूत हुए। विशेष रूप से मंच पर एक महिला कलाकार द्वारा इतने दमदार और प्रभावशाली शहनाई वादन को देखकर उपस्थित सभी रसिक आश्चर्यचकित एवं मंत्रमुग्ध रह गए। कलाकारों का सम्मान प्रदीप जोशी, मीनाक्षी लहरे, दीपक खलतकर, सुरेश राजपुरोहित, प्रकाश फाटक ने किया। समय बद्ध संचालन नवीन भंवर ने किया।

# राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर जागरूकता का दिया संदेश

**सरदारपुर ।** मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. शीला मुजाल्दा के मार्गदर्शन में आज दिनांक 16 मई को और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अमझेरा में जिला मलेरिया अधिकारी श्री धर्मेंद्र जैन एवं डॉ. शशांक बहादुर और व्ही. बी. डी. सलाहकार श्री रेवचंद्र कटारा द्वारा विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों एवं पैरामेडिकल स्टॉफ को डेंगू नियंत्रण की शपथ दिलाई गई ।

जिला व्ही .बी.डी. सलाहकार रेवचंद्र कटारा एवं व्ही. बी. डी सुपरवाइजर श्री जितेन चौधरी ने बताया कि प्रति वर्ष अनुसार 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस एक विशेष जन जागरूकता दिवस के रूप में मनाया गया ।इस वर्ष डेंगू दिवस की थीम रहेगी... डेंगू नियंत्रण के लिए जनभागीदारी जरूरी देखे, साफ करे, और ढके, डेंगू रोग के नियंत्रण , और रोक धाम के लिए आशा कार्यकर्ता द्वारा डेंगू से बचाव के स्लोगन, नारे लेखन , लार्वा विनिस्टीकरण प्रचार - प्रसार किया जा रहा है। वर्तमान में डेंगू बीमारी का कोई उपचार नहीं है। केवल लक्षणों के आधार पर उपचार किया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में आशा कार्यकर्ता, और सभी स्वास्थ कार्यकर्ता और मलेरिया की टीम द्वारा मच्छरों के पैदा होने वाले स्थानों का सर्वे कर मच्छर के लार्वा को नष्ट किया जाता है। लोगों को अपने घर में रखे सभी पानी के पत्रों को हर सात दिन में साफ करे, पानी को ढक कर भी रखें, और बुखार आने पर अपने नजदीकी स्वास्थ केंद्र पर जाकर चिकित्सक की सलाह से उपचार लेने की समझाइश दी ।मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी महोदया डॉ. शीला मुजाल्दा ने सरदारपुर की जनता से अपील की गई कि डेंगू फैलाने वाले मच्छर साफ और रुके हुए पानी में पैदा होते हैं। और यह रोग संक्रमित मादा एडिज मच्छर के काटने से फैलता हैं। यह मच्छर दिन के समय काटता हैं। इस लिए अपने घरों में व आस पास पानी जमा न होने देवे। हर सप्ताह पानी की टंकी, कूलर, पानी के पात्रों को एक बार साफ कर सूखा कर फिर से पानी भरे। आगामी समय में वर्षा ऋतु प्रारम्भ होने वाली है।

## 3 माह से वेतन नहीं मिलने पर आशा-उषा कार्यकर्ताओं की अनिश्चितकालीन हड़ताल

**सरदारपुर।** धार जिले के सभी विकासखण्ड के आशा, उषा कार्यकर्ता और पर्यवेक्षकों को 3 माह से वेतन नहीं मिलने पर परिवार की स्थिति ख़राब है। घर-परिवार चलाना मुश्किल हो रहा है। इस सम्बन्ध में वेतन लम्बे समय से नहीं मिलने को लेकर 8 मई को आशा उषा सहयोगी संगठन की जिलाध्यक्ष संगीता मारु मोयाखेड़ा के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर कलेक्टर और सीमीएचओ से मिलकर ज्ञापन भी दिया गया।

बताया भी गया था कि 14 मई तक वेतन नहीं निकलता है तो जिले के विकासखण्ड स्तर पर 15 मई से जिले के समस्त आशा कार्यकर्ता उषा सहयोगी संगठन और पर्यवेक्षक अनिश्चितकालीन हड़ताल पर उतरेंगे। आशा उषा सहयोगी संगठन के इंदौर संभागीय अध्यक्ष शंकरलाल मारु ने बताया कि वेतन की मांग को लेकर सिविल अस्पताल के बीपीएम राजू गड़रिया, बी सी ए म उल्लास पाटीदार को भी शुक्रवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर उतरने सम्बन्धित ज्ञापन सौंपा गया।

## अंशकालीन कर्मचारियों ने मांगे अपने अधिकार

**सरदारपुर ।** शासन द्वारा मान्यता प्राप्त मध्यप्रदेश अंशकालीन कर्मचारी संगठन के नवागत जिला अध्यक्ष भारत सिंह ठाकुर के नेतृत्व मे सरदारपुर ब्लाक के कुछ अधीक्षक द्वारा हमारे साथियो को बंद किया गया है उनके इस मनमानी के लिए आज जिला कलेक्टर धार और सहायक आयुक्त धार के नाम ज्ञापन सौपा गया जिसमे संघ के पदाधिकारी सजन लाल मेहरा गणेश कटारे प्रेम पटेल गोवर्धन हटीला संजय प्रजापत रमेश राठौर हमीर अलावा कन्हैयालाल मालवीय और सरदारपुर तहसील अध्यक्ष नन्दलाल मारु उपस्थित थे अंशकालीन कर्मचारियों क़ो यथावत रखें शासन प्रशासन से विशेष निवेदन किया है।

# युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष पद को लेकर घमासान तेज

**नागदा ( धार ) भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा होने के बाद अब भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष पद को लेकर घमासान तेज हो चुका है युवा संगठन की कमान संभालने के लिए 9 से अधिक दावेदार मैदान में उतर आए हैं और अपनी पूरी ताकत लगा रहे हैं। इस दौड़ में वे युवा नेता शामिल हैं जिन्होंने जमीन पर रहकर सालों तक कड़ी मेहनत की है और पार्टी को हर स्तर पर मजबूत करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वहीं दूसरी तरफ कुछ ऐसे चेहरे भी दौड़ में शामिल हैं जिनका सीधा संबंध बड़े नेताओं के साथ है या वे नेता पुत्र हैं। यह स्थिति पार्टी के भीतर एक नया मोड़ ले चुकी है क्योंकि अब सीधा मुकाबला जमीनी कार्यकर्ताओं और प्रदेश के पदाधिकारी और नेताओं के परिवार से जुड़े लोगों के बीच माना जा रहा है।**

यह पद युवाओं के बीच राजनीतिक भविष्य तय करने वाला और बहुत अहम माना जाता है। दावेदारों की बढ़ती संख्या को देखते हुए स्थानीय स्तर पर कई तरह के राजनीतिक समीकरण बनते और बिगड़ते दिखाई दे रहे हैं। जो युवा जमीन से जुड़े हैं और जिन्होंने बूथ स्तर पर काम किया है, उनका स्पष्ट तर्क है कि पार्टी को उनकी मेहनत का उचित सम्मान करना चाहिए। वहीं, नेता पुत्रों के दावे भी अपनी जगह मजबूत बताए जा रहे हैं

**कर रहे शक्ति प्रदर्शन-**हाल ही के दिनों में क्षेत्र में हुए युवा मोर्चा नेताओं के दौरों के दौरान भी युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने अपनी जबर्दस्त सक्रियता दिखाई है। जब प्रदेश उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर जय सूर्या का बदनावर क्षेत्र में प्रथम दौरा हुआ था, तब भी दावेदारों ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर शक्ति प्रदर्शन किया था। इन आयोजनों के माध्यम से युवाओं ने अपनी ताकत दिखाने और संगठन को प्रभावित करने का पूरा प्रयास किया। इस प्रदर्शन के बाद से ही राजनीतिक पंडितों का यह मानना है कि आने वाले समय में यह मुकाबला और ज्यादा दिलचस्प होने वाला है।

### क्षेत्रीय संतुलन पर होगा फोकस

भाजपा के मोर्चों में सबसे प्रभावशाली युवा मोर्चा को माना जाता है। उसमें नियुक्ति को लेकर पार्टी के कई पैमाने हैं जिसमें ये भी निर्देश दिए गए है कि क्षेत्रीय संतुलन का ध्यान रखा जाए। अर्थ साफ है कि जिला भाजपा अध्यक्ष किस विधानसभा या क्षेत्र से आता है उसके बजाए अन्य विधानसभा से चयन किया जाए। उस हिसाब से बदनावर, सरदारपुर विधानसभा के दावेदारों का पक्ष मजबूत दिखाई दे रहा है।

### नो प्रमुख दावेदारों ने बढ़ाई हलचल

संगठन की दृष्टि से जिले को दो भागों में विभाजित किया गया है उस हिसाब से धार शहरी व धार ग्रामीण दो अध्यक्षों की घोषणा होना है धार शहरी क्षेत्र की बात करे तो तीन विधानसभा से युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष पद की दौड़ में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में नाम सामने आए हैं। कुल नो मजबूत दावेदारों ने अपनी दावेदारी पेश की है, जबकि कुछ अन्य नाम भी चर्चा में हैं। प्रमुख दावेदारों में धार से अंकित भावसार जो की भाजपा जिला अध्यक्ष के करीबी माने जाते है साथ ही संघ से जुड़े हुए हे वही धार के गौरव रघुवंशी का नाम भी चचा में है जो की युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष जय सूर्या के करीबी है वही बदनावर विधानसभा से हरीश झरानी के नाम को लेकर चर्चा हे जो की अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से आते हे वही सरदारपुर विधानसभा से श्याम धाकड़ का नाम आगे आया है.

**एक नजर में** | **स्वास्थ्य कर्मियों ने ली डेंगू उन्मूलन की शपथ, जागरूकता गतिविधियों पर दिया जोर**

# घर के आसपास, कूलरों में जमा पानी बदलने की दी समझाइश

**धार ।** राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं जिला स्वास्थ्य समिति (एन.वी.बी.डी.सी.पी.) जिला धार के निर्देशानुसार, आज 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस卐 के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बाकानेर में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनीता सिंगारे विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उनकी गरिमामयी उपस्थिति में उपस्थित चिकित्सा अधिकारियों, नर्सिंग स्टाफ और स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले ने डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी घातक बीमारियों के नियंत्रण और रोकथाम के लिए सामूहिक रूप से शपथ ली। इसी प्रकार जिले में भी विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यक्रम आयोजित कर स्वास्थ्य विभाग द्वारा डेंगू उन्मूलन की शपथ दिलाई गई।

बाकानेर स्वास्थ्य केंद्र परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनीता सिंगारे सहित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने अपना दाहिना हाथ आगे बढ़ाकर समाज में स्वच्छता बनाए रखने और मच्छरों के जनन स्त्रोतों को नष्ट करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनीता सिंगारे ने राष्ट्रीय वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत डेंगू से बचाव और सतर्कता पर विशेष बल दिया।

उन्होंने मैदानी स्टाफ को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आशा और एएनएम के माध्यम से घर-घर जाकर लोगों को ठहरे हुए पानी के खतरों के प्रति सचेत किया जाए। घरों के आसपास, कूलरों, पानी की टंकियों, पुराने टायरों और गमलों में पानी जमा न होने दें, क्योंकि ठहरे हुए साफ पानी में ही डेंगू का मच्छर (एडीज) पनपता है। पानी ठहरेगा जहाँ-जहाँ, मच्छर पनपेंगे वहाँ-वहाँ के संदेश को प्रत्येक नागरिक तक पहुँचाया जाए।डॉ. सिंगारे ने बताया कि शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों में डेंगू की जांच और उपचार पूरी तरह निःशुल्क है। तेज बुखार, जोड़ों में दर्द या आंखों के पीछे दर्द होने पर तुरंत नजदीकी अस्पताल से संपर्क करें। इस अवसर पर स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।